

डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 19, मौखिक विचारों का अनुवाद, भाग 1

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 19 है, मौखिक विचारों का अनुवाद, भाग 1।

अनुवाद में अगली चुनौती जिसे हम संबोधित करने जा रहे हैं वह है मौखिक विचारों का अनुवाद कैसे करें। मौखिक विचारों से हमारा क्या मतलब है? ये ऐसे शब्द हैं जिनके साथ किसी तरह की मौखिक धारणा जुड़ी होती है, या मूल अर्थगत अंतर्निहित अर्थ वास्तव में एक क्रिया है, भले ही इसे किसी अलग तरीके से व्यक्त किया जा सकता है।

इसलिए, पुराने नियम में, हिब्रू और ग्रीक दोनों, पुराने नियम और नए नियम में ऐसे शब्दों का उपयोग किया गया है, जिनमें शब्द के अर्थपूर्ण स्वरूप के हिस्से के रूप में अंतर्निहित क्रियाएँ हैं। वे क्रियाएँ हो सकती हैं, इसलिए क्रिया एक क्रिया है, यह ठीक है, लेकिन इसमें संज्ञाएँ होती हैं, जो या तो कृदंत या अमूर्त संज्ञा हो सकती हैं, या यह एक विशेषण भी हो सकती हैं। लेकिन अंतर्निहित रूप से, इसके साथ किसी प्रकार की क्रिया जुड़ी होती है।

तो यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं। सज़ा एक संज्ञा है, और हमें याद रखना चाहिए, चलो हमारी अंग्रेजी अवधारणा को न समझें, ठीक है, यह एक चीज़ है; इसलिए, यह ठोस है। नहीं, यह अमूर्त है, और अक्सर, अमूर्त संज्ञाएँ वास्तव में मौखिक विचार हैं।

तो, सज़ा, और क्रिया है सज़ा देना। ज्ञान और क्रिया है जानना। सुझाव सुझाव से आता है।

उद्धार का अर्थ है उद्धार करना। आने वाला राजा, हम कहेंगे, वह राजा है जो आ रहा है, इसलिए आना राजा का वर्णन कर रहा है, और इसलिए यह एक विशेषण है। और हाल ही में, हमारे पास निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, और इस मामले में, अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प हैं।

इसका मतलब है कि उन्होंने अभी तक पदभार ग्रहण नहीं किया है, लेकिन राष्ट्रपति जो चुने गए हैं। ठीक है, तो ये संज्ञा और विशेषण के उदाहरण हैं, लेकिन इसके अंतर्गत एक क्रिया है। और इनमें क्या समस्या है? संचार में अंतराल हैं। वे क्या हैं? सबसे पहले, यह हमें नहीं बताता कि कौन कार्य कर रहा है, और यह हमें यह भी नहीं बताता कि कौन कार्य प्राप्त कर रहा है या इससे संबंधित अन्य भाग कौन प्राप्त कर रहा है।

क्रिया स्वयं अस्पष्ट हो सकती है, और कई भाषाओं में इस तरह के अमूर्त संज्ञा या मौखिक संज्ञा नहीं हैं। और हम कुछ ही मिनटों में कृदंत के कुछ उदाहरण देखेंगे। हम क्या करते हैं? तो, पापुआ न्यू गिनी में, उनके पास अमूर्त संज्ञाएँ नहीं हैं, और इसलिए यह वही है जो पीएनजी के किसी व्यक्ति को गलातियों 5.22 और 5.23 की तरह लगता है।

आत्मा का फल है ब्ला ब्ला ब्ला ब्ला ब्ला ब्ला ब्ला। क्यों? क्योंकि उनके पास अमूर्त संज्ञाएँ नहीं हैं। तो, हम क्या करते हैं? हम अर्थ को कैसे तोड़ते हैं? सबसे पहले, हमें क्रिया की पहचान करनी होगी।

ठीक है, अब यहाँ कुछ कृदंत हैं। यरूशलेम में पहुँचना। यह मार्क से आया है, और क्रिया है पहुँचना।

वे उसकी समझ पर चकित थे। अंतर्निहित क्रिया यह है कि जब तुम्हारा अभिवादन मेरे कानों तक पहुँचता है, तो मैं समझ जाता हूँ।

अंतर्निहित क्रिया अभिवादन करना है। तो, हमने उन क्रियाओं की पहचान कर ली है जो उनसे संबंधित हैं। दूसरी बात, इसमें भागीदार कौन हैं? तो, यरूशलेम में पहुँचना।

यह यीशु और उसके शिष्यों के बारे में है जो जुनून सप्ताह के दौरान वहाँ थे। इसमें कहा गया है कि जब यीशु यरूशलेम पहुँचे, तो उन्होंने एक अंजीर के पेड़ को देखा और उसे शाप दिया। वे उसकी समझ और उसके उत्तरों से चकित थे।

यह तब की बात है जब यीशु मंदिर में याजकों, फरीसियों और लेवियों तथा अन्य लोगों से बात कर रहे थे, और वे उनकी समझ पर चकित थे। अब, यह एक संज्ञा है क्योंकि इसे धारण किया जा सकता है, एक धारणीय वस्तु जैसे उसका कुत्ता, उसका घर, उसकी समझ। और इसलिए, व्याकरणिक रूप से, यह एक वस्तु है, लेकिन वैचारिक रूप से, यह एक क्रिया है; यह एक क्रिया है।

और हम इसे तोड़कर अंतर्निहित क्रिया तक पहुँचने का प्रयास कर रहे हैं। तो, यह समझना है। जब आपका अभिवादन मेरे कानों तक पहुँचा, तो अभिवादन करना था।

और ये मैरी और एलिज़ाबेथ दो प्रतिभागी थीं। कौन क्रिया कर रहा है? मैरी क्रिया कर रही है। एलिज़ाबेथ अभिवादन सुनती है।

तो, मैरी ने एलिज़ाबेथ को बधाई दी। और इसलिए, हम कहते हैं कि मैरी ने एलिज़ाबेथ को बधाई दी। हमारे मन में यह विचार आता है।

फिर हम कविता को फिर से लिखते हैं, जिससे क्रिया के सभी भाग और भागीदार बनते हैं, और यहां तक कि जो चीजें सजीव नहीं हैं, वे भी भागीदार हो सकती हैं। इसलिए, अगर मैं कहता हूँ कि मैंने टेड को किताब दी, तो एक तरह से किताब भागीदार है। तो, मैं, अभिनेता के रूप में, टेड प्राप्तकर्ता है, और उसे क्या मिला? एक किताब।

आप कुछ भी नहीं दे सकते। तो, आप कहते हैं कि टेड, किताब और मैं सभी उस क्रिया में शामिल हैं। कुछ क्रियाएँ, जैसे चलना, केवल एक व्यक्ति को शामिल करती हैं।

इसमें से कुछ में दो लोग हो सकते हैं। मैंने टेड को देखा, या मैंने किताब देखी। तो, यह दो, जैसा कि यह था, प्रतिभागी होंगे।

कभी-कभी, यह तीन होता है यदि आप किसी और को कुछ देने या कुछ करने का कार्य कर रहे हैं। ठीक है, तो हम इस श्लोक को कैसे फिर से लिखेंगे? जब यीशु और शिष्य यरूशलेम पहुँचे। यहाँ मैं दो बातें बताना चाहता हूँ।

यीशु और शिष्य यरूशलेम पहुँचे, और एक बात जो हम कहना चाहते हैं वह यह है कि वे ही थे जो यह कार्य कर रहे थे, भले ही ग्रीक में कृदंत इसे छिपा देता है। दूसरा, इस विशेष वाक्यांश में कृदंत कैसे कार्य करता है? यह एक समय संदर्भ के रूप में कार्य करता है, और उस समय संदर्भ का अर्थ है कि यह उस समय के लिए मंच तैयार कर रहा है जब वे यरूशलेम पहुँचे थे जब यीशु ने विजय का श्राप दिया था। इसलिए, हम केवल यह कह सकते हैं कि कब।

यदि हम शब्द को छोड़ देते हैं, तो हम ग्रीक भाषा को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह एक समय वाक्यांश है। यह एक प्रक्रिया नहीं है। यह बेथनी से उनके चलने का वर्णन नहीं कर रहा है, और उन्हें वहाँ पहुंचने में x मिनट या घंटे लगे।

यह उस बारे में बात नहीं कर रहा है। यह बस समय की अभिव्यक्ति है। इसलिए, जब हम इसका पुनः अनुवाद करेंगे तो हमें इसे अपने अनुवाद में जोड़ना होगा, ताकि ये बातें स्पष्ट हो सकें।

ठीक है, वे इस बात से चकित थे कि उसने अपनी समझ को कैसे समझा। वह उन अवधारणाओं को समझता है जो वे उसे बता रहे हैं, और वे किस बात से चकित हैं? दुनिया में इस 12 वर्षीय लड़के के पास ज्ञान की इतनी गहराई कैसे हो सकती है? वह उन सभी चीजों को कैसे जान सकता है? वह उन सभी चीजों को कैसे समझ सकता है? और इसलिए, वे इससे चकित थे। इसलिए, हमें शब्द कैसे डालना होगा, क्योंकि वह था, यह एक समय वाक्यांश नहीं है।

यह एक शिष्टाचार वाक्यांश है, और वह उन चीजों को अच्छी तरह से समझता था जिन पर वे उसके साथ चर्चा कर रहे थे। ठीक है, और मैरी और एलिजाबेथ के साथ, जब मैंने सुना कि आपने मुझे नमस्कार किया, एलिजाबेथ मैरी से कहती है, यह समय वाक्यांश, शब्द, जब पहले से ही वहाँ था, जब आपका अभिवादन मेरे कानों तक पहुँचा, का वही अर्थ व्यक्त करता है, लेकिन यह वास्तव में बात करने का एक आलंकारिक, मुहावरेदार तरीका है। याद रखें, हमने पहले मुहावरों के बारे में बात की थी।

हम मुहावरों को तोड़ते हैं और उन्हें सीधे तरीके से बोलते हैं, खास तौर पर उन मामलों में, लेकिन हम उन्हें कैसे तोड़ते हैं? हम क्रिया और प्रतिभागियों की पहचान करके और फिर इसे अधिक स्पष्ट, अधिक सीधे तरीके से फिर से लिखकर ऐसा करते हैं। ठीक है, ठीक है, तो हमारे पास यह है, आत्मा का एक फल ब्ला ब्ला ब्ला ब्ला है, और यहाँ वे हैं। ठीक है, हम इन्हें एक साथ तोड़ने जा रहे हैं।

ठीक है, आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शांति, आदि है। ठीक है, यह एक ऐसे वाक्यांश में आता है जिसमें शब्द, का, शामिल है, जो यूनानी अध्ययनों में एक जननात्मक वाक्यांश है, और हमें यह

समझना होगा कि इस वाक्यांश, आत्मा के फल का क्या अर्थ है। तो, अगर हम इसके बारे में सोचें, तो क्या यह पवित्र आत्मा का वर्णन है? शायद नहीं।

यह एक वस्तुनिष्ठ उत्पत्ति है, वह फल जो पवित्र आत्मा लोगों में उत्पन्न करता है, और यदि आप गलातियों 5 को पढ़ते हैं, तो आपको यह विचार मिलेगा कि ये ऐसी चीजें हैं जो परमेश्वर के लोगों में स्पष्ट हैं, क्योंकि पवित्र आत्मा ने इन चीजों को उनके जीवन में काम किया है। ठीक है, आप पापुआ न्यू गिनी में इन लोगों के लिए क्या करते हैं? खैर, सबसे पहले, हमें प्यार कहना होगा। क्रिया क्या है? क्रिया है प्यार करना।

ठीक है, प्रेम कौन कर रहा है? कोई, मान लीजिए एक व्यक्ति, सामान्य ईसाई व्यक्ति, पुरुष या महिला, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, और प्रेम शब्द के एक कार्य के रूप में, आप किसी चीज़ से प्रेम नहीं कर सकते, इसलिए इसके लिए एक और चीज़, एक और भागीदार की आवश्यकता होती है, और यह व्यक्ति किससे या किस चीज़ से प्रेम करता है? संभवतः अन्य लोग। ठीक है, और इसलिए हम इसे आत्मा के फल के साथ कैसे जोड़ सकते हैं? हमने यह कहकर इसे तोड़ा कि पवित्र आत्मा लोगों में इन गुणों को उत्पन्न करता है, इसलिए हम कह सकते हैं कि पवित्र आत्मा व्यक्ति को अन्य लोगों से प्रेम करने के लिए प्रेरित करती है। ठीक है, आनंद, और आनंद, आइए इसे एक क्रिया कहें क्योंकि यहाँ एक क्रिया है, और यह आनंदित होना है। इसमें क्या क्रिया शामिल है? क्षमा करें, इसमें कौन लोग शामिल हैं? व्यक्ति स्वयं, फिर से, ईसाई व्यक्ति, और पवित्र आत्मा व्यक्ति को आनंदित करते हैं या व्यक्ति को आनंदित करते हैं।

शांति, शांति एक कठिन शब्द है क्योंकि शांति से जुड़ी कोई अंतर्निहित क्रिया खोजना आसान नहीं है, लेकिन फिर से, यह एक व्यक्ति है; पवित्र आत्मा व्यक्ति को शांतिपूर्ण या शांत रहने जैसा कुछ बनाती है। धैर्य। अब, अंग्रेजी में, इसका मतलब है धैर्य रखना।

स्वाहिली, अरबी और कुछ अन्य भाषाओं में, धैर्य रखने के लिए वास्तव में एक क्रिया होती है। इसलिए हम बस धैर्य रखने के लिए कहेंगे क्योंकि हम अंग्रेजी में काम कर रहे हैं, और हमारे पास कोई अन्य मौखिक विकल्प नहीं है, लेकिन हम समझते हैं, और कभी-कभी यह अन्य लोगों के साथ धैर्य रखने के लिए होता है, इसलिए ऐसा हो सकता है कि वहां कोई अन्य भागीदार हो। आप निराश हो सकते हैं कि आप ट्रैफ़िक में फंस गए हैं और आप धैर्य नहीं रख पा रहे हैं।

क्या यह दूसरे लोगों की गलती है? नहीं, बिलकुल नहीं। अगर कोई व्यक्ति नहीं आ रहा है और आप उसके आने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो आप अधीर महसूस कर सकते हैं। इसलिए इसमें कोई दूसरा व्यक्ति शामिल हो सकता है, या हो सकता है कि कोई दूसरा व्यक्ति न हो, लेकिन पवित्र आत्मा उस व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है।

दयालुता। दयालुता प्रेम की तरह है, और इसके लिए कुछ और की आवश्यकता होती है। इसलिए पवित्र आत्मा एक व्यक्ति को दयालु बनाती है, लोगों के प्रति दयालु बनाती है।

नम्रता। नम्रता। आपको बात समझ आ गई होगी, लेकिन चलिए आगे बढ़ते हैं।

तो, क्रिया है कोमल होना, और व्यक्ति, अन्य। यह व्यक्ति को कोमल बनाता है, या दूसरों के साथ कोमल व्यवहार करता है, या अन्य लोगों के प्रति कोमल होता है। वफ़ादारी।

यहाँ क्रिया क्या है? वफ़ादार होना एक है। क्या इसका मतलब विश्वास रखना है? शायद नहीं। मुझे लगता है कि ये सभी क्रियाएँ हैं जिनमें हम दूसरों के साथ बातचीत करते हैं, दूसरे लोगों के साथ बातचीत करते हैं।

और इसलिए वफ़ादार बनो, भरोसेमंद बनो, विश्वसनीय बनो, भरोसेमंद बनो, अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करो। इसलिए मैं अपने परिवार के प्रति वफ़ादार हूँ, उन्हें प्रदान करके; मैं अपने परिवार के प्रति वफ़ादार हूँ, उनकी रक्षा करके और उनकी देखभाल करके। इसलिए दूसरे लोगों के प्रति वफ़ादार बनो।

और फिर, पवित्र आत्मा हर तरह से वहाँ होगी। और आखिरी बात। तो, नियंत्रण।

स्व व्यक्ति को अपने कार्यों पर नियंत्रण करने में सक्षम बनाता है। आप जो करना चाहते हैं और जो कहना चाहते हैं, उसे बाहर न आने देकर खुद पर नियंत्रण रखते हैं। तो, इस सबका उद्देश्य हमें यह दिखाना है कि हर भाषा में ये नहीं होते हैं, और अगर होते भी हैं, तो मैं अगली बातचीत में कुछ उदाहरण देने जा रहा हूँ, यह स्पष्ट नहीं हो सकता है कि उस संज्ञा का पाठ में वर्णित क्रियाओं से क्या संबंध है।

और मुझे यह कहना है। ग्रीक में क्रियाओं का कृदंत रूप सबसे आम मौखिक रूप है। यह एक बात है।

और ठीक है, तो मैंने अपने ग्रीक शिक्षक से पूछा कि क्या यह सच है कि कृदंत सबसे आम है। और उन्होंने कहा, हाँ। और मैंने कहा, फिर आप उन्हें पढ़ाने के लिए दूसरे सेमेस्टर के आधे तक क्यों इंतजार करते हैं? और उन्होंने कहा, ठीक है, आपको पहले इन सभी अन्य चीजों को जानने की जरूरत है। क्या मुझे वास्तव में क्रियाओं के उन सभी प्रतिमानों को जानने की जरूरत है और क्रिया को क्रिया रूपों में कैसे संयुग्मित किया जाए जो ग्रीक न्यू टेस्टामेंट में शायद ही कभी दिखाई देते हैं? इसलिए, एक शैक्षणिक शिक्षक के रूप में, मैंने उस पर जोर दिया और कहा, मुझे पहले उच्च आवृत्ति वाले सिखाएं।

ठीक है, जो भी हो, ऐसा ही होता है। इसलिए, आपको पार्टिसिपल से निपटने से पहले कुछ महत्वपूर्ण जानकारी की आवश्यकता थी। पार्टिसिपल बहुत, बहुत चुनौतीपूर्ण हैं।

दरअसल, डलास सेमिनरी के प्रोफेसर डेरेल बॉक कहते हैं कि पार्टिसिपल शायद नए नियम में ग्रीक भाषा की सबसे कठिन विशेषता है, जिसे समझना सबसे कठिन है। इसलिए हम कह सकते हैं कि अगर यह व्याख्या करने के लिए सबसे कठिन चीज है, तो इसका अनुवाद करना भी सबसे कठिन चीज है। हाँ।

मैं एक तंजानियाई सहकर्मी से बात कर रहा था, जिसके साथ हम काम करते थे, और मैंने अनुवाद कार्यशालाएँ चलाई थीं, और मैंने यहाँ जो जानकारी दी थी, उसे कवर किया, इन मौखिक

विचारों को लिया और उन्हें क्रियाओं में बदल दिया। और उसने मेरी ओर देखा, और उसने कहा, आप जानते हैं, वह एक सिद्धांत शायद सबसे महत्वपूर्ण बात है जो आपने हमें तंजानियाई अनुवादकों के रूप में सिखाई है। और मैंने कहा कि आप शायद सही हैं।

यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह संचार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, और मैं इस पर अधिक समय बिताना चाहता हूँ। हम अगले कुछ सत्रों में इस पर चर्चा करेंगे। अमूर्त संज्ञाओं और कृदंतों तथा उन्हें कैसे तोड़ा जाए, इसके अलावा हम जनरेटिव निर्माण पर भी चर्चा करेंगे।

जब आप दो संज्ञाओं और दो अमूर्त संज्ञाओं को एक साथ लाते हैं तो क्या होता है? उदाहरण के लिए, यीशु ने पश्चाताप के बपतिस्मा का प्रचार किया। बपतिस्मा एक अमूर्त संज्ञा है। पश्चाताप एक अमूर्त संज्ञा है।

जब आप उन दो शब्दों को आपस में जोड़ देते हैं तो आप क्या करते हैं? रोमियों और इफिसियों के कुछ अंशों के साथ आप क्या करते हैं, जहाँ दो, तीन या चार अमूर्त संज्ञाएँ एक साथ जुड़ी हुई हैं? यह बहुत, बहुत जटिल और बहुत, बहुत चुनौतीपूर्ण है। हम धीरे-धीरे आगे बढ़ेंगे। हम इसे चरणबद्ध तरीके से करेंगे, लेकिन मुझे इसे पेश करने की ज़रूरत थी ताकि हम जान सकें कि इन संज्ञाओं की बात आने पर हमें वास्तव में एक समस्या है।

उनमें से एक है कोइनोनिया। ओह, इसका मतलब है चर्च, या इसका मतलब है संगति। क्या ऐसा है? जब हम उसके दुखों में भाग लेते हैं तो इसका क्या मतलब है? हम उसके दुखों में कोइनोनिया करते हैं।

यह एक क्रिया है, कोई वस्तु नहीं। जब वे टाइटस के साथ अपने कोइनोनिया को किसी दूसरी जगह ले जाने के लिए भेजते हैं तो इसका क्या मतलब होता है? उन्होंने अपना क्या भेजा? उनका कोइनोनिया। ठीक है, तो इन अमूर्त संज्ञाओं को तोड़ना वाकई चुनौतीपूर्ण है।

लेकिन एक और बात जो मैं कहना चाहता था वह यह थी कि जब हम इस तरह की किसी चीज़ को देखते हैं, तो हमें इसे एक पूरी कविता के रूप में फिर से लिखना पड़ता है। और मैंने इसे अनुवाद कक्षा में छात्रों को दिखाया, और उन्होंने कहा, यह एक पूरा पैराग्राफ़ है। और जवाब है, हाँ, यह है।

लेकिन इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है क्योंकि इन भाषाओं में इन सच्चाइयों को संप्रेषित करने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। जब हम यह शोध करते हैं, जब हम उन्हें तोड़ने की कोशिश करते हैं, जब हम इन शब्दों के बीच के संबंधों को समझने की कोशिश करते हैं, तो बाइबल के पाठ की हमारी समझ बहुत बढ़ जाती है। इस तरह की चीज़ों को विचारों के रूप में देखने के बजाय, ये वे चीज़ें हैं जो पौलुस ने हमें लिखीं क्योंकि उसने हमसे उन्हें करने की अपेक्षा की थी।

और हम 1 कुरिन्थियों 13 की आयतों को देखेंगे: प्रेम धीरजवन्त है, प्रेम दयालु है, प्रेम कोमल है, इत्यादि। क्या यह कोई अमूर्त चीज़ है? शायद नहीं। ठीक है, हम अगली बार फिर आएंगे।

धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 19 है, मौखिक विचारों का अनुवाद, भाग 1।